International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
ISSN -2393-8048, July-December 2022, Submitted in September 2022, iajesm2014@gmail.com

माध्यमिक स्तर पर छात्र शिक्षकों के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच तुलना

गायत्री पांडिया (शिक्षा विभाग), शोधकर्ता, सनराइज़ विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)
डॉ. हरबंस लाल ,प्रोफेसर (शिक्षा विभाग), सनराइज़ विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)

सार

अध्ययन ने माध्यमिक स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच संबंधों का पता लगाया। अध्ययन के लिए तैयार की गई परिकल्पना यह थी कि माध्यमिक स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है। अध्ययन के लिए अपनाई गई विधि वर्णनात्मक सर्वेक्षण थी, जिसे जानबूझकर चयनित माध्यमिक स्तर के 90 छात्र शिक्षकों के नमूने पर किया गया था। डेटा संग्रह के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण थे, 1) एस.के. द्वारा भावनात्मक इंटेलिजेंस इन्वेंटरी। मंगल और शुभ्रा मंगल ने कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता के चार क्षेत्रों या पहलुओं, अर्थात् अंतर्वैयक्तिक जागरूकता, पारस्परिक जागरूकता, अंतः व्यक्तिगत प्रबंधन और पारस्परिक प्रबंधन के संबंध में उनकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता (कुल और साथ ही अलग-अलग) के मापन के लिए डिज़ाइन किया है। 2) आक्रामकता पैमाना डॉ. जी.पी. द्वारा माथुर और डॉ. राजकुमारी भटनागर शामिल हैं। अध्ययन के लिए उपयोग की जाने वाली सांख्यिकीय तकनीकें हैं, कार्ल पियर्सन उत्पाद क्षण सहसंबंध का गुणांक और भिन्नता का विश्लेषण। परिणामों से पता चला कि 44% शिक्षक प्रशिक्षुओं के पास औसत भावनात्मक बुद्धिमत्ता है, 26% के पास उच्च ईआई है, जबकि 24% के पास कम ईआई है। केवल 6.66% शिक्षक प्रशिक्षुओं में कम आक्रामकता है। 44% में औसत आक्रामकता है और लगभग आधे नमूने में उच्च आक्रामकता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच सहसंबंध के गुणांक का परिकलित मान .05 स्तर पर महत्वपूर्ण नहीं है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आने वाले शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच सहसंबंध के गुणांक का गणना मूल्य भी .05 के स्तर पर महत्वपूर्ण नहीं है।

विशेष शब्द: भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आक्रामकता

1. परिचय

भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ईआई) को किसी की भावनाओं या किसी अन्य व्यक्ति की भावनाओं को देखने, समझने और नियंत्रित करने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया जा सकता है [1-2]। डेनियल गोलेमैन [3] ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक इमोशनल इंटेलिजेंस: व्हाई इट कैन मैटर मोर दैन आईक्यू में दावा किया है कि किसी व्यक्ति की सफलता का केवल 20% श्रेय आईक्यू को दिया जा सकता है। यह चार्ल्स डार्विन ही हैं जिन्होंने सबसे पहले ईआई के महत्व को पहचाना। बाद में, पीटर सलोवी और जॉन मेयर ने इस विषय पर व्यापक शोध किया। शोधों ने साबित किया है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सामाजिक बुद्धिमत्ता किसी व्यक्ति के जीवन में सफलता के अधिक प्रभावी भविष्यवक्ता हैं। भावनात्मक बुद्धिमत्ता स्वयं की, दूसरों की और समूहों की भावनाओं को पहचानने, मूल्यांकन करने और प्रबंधित करने की क्षमता, क्षमता, कौशल या आत्म-कथित क्षमता का वर्णन करती है। जिन लोगों के पास उच्च स्तर की भावनात्मक बुद्धिमत्ता होती है वे खुद को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं और दूसरों की भावनाओं को समझने में भी सक्षम होते हैं। वे मिलनसार, लचीले और आशावादी हैं [4]।

इसके विपरीत, आक्रामकता व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर हानिकारक हो सकती है क्योंकि आक्रामक व्यक्तियों को स्थितियों की व्याख्या करने में कठिनाई का अनुभव होता है जिसके परिणामस्वरूप वे हिंसक या अलग-थलग हो जाते हैं [5]। आक्रामकता एक अव्यवस्थित भावनात्मक प्रतिक्रिया है। मनोवैज्ञानिकों, बंडुरा और वाल्टर्स [6], डॉलार्ड और अन्य की पर्याप्त अच्छी संख्या है। [7] आक्रामकता के विभिन्न पहलुओं पर काम किया है।

शोध साक्ष्य से पता चलता है कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक सहसंबंध मौजूद है। लियाउ एट अल. [8] ईआई को आक्रामकता और अपराध के

साथ नकारात्मक रूप से सहसंबंधित दिखाया गया है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता कौशल छात्रों के सीखने, सफलता, दृष्टिकोण, शैक्षणिक प्रदर्शन और मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण संसाधन हैं [9]। फॉर्मिका [10] द्वारा किए गए एक अन्य अध्ययन में आक्रामक व्यवहार और मेयर इमोशनल इंटेलिजेंस स्केल के बीच एक समान नकारात्मक सहसंबंध का पता चला। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और आक्रामक व्यवहार के बारे में कॉलेज के छात्रों की स्वयं-रिपोर्ट की गई रिपोर्ट मेयर सलोवी कारुसो इमोशनल इंटेलिजेंस टेस्ट, (2000) के साथ नकारात्मक रूप से संबंधित है। ब्रैकेट एट अल. [11]

पाया गया कि किशोरों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का निम्न स्तर किशोर मादक द्रव्यों और अवैध नशीली दवाओं के दुरुपयोग, खराब पारस्परिक संबंध, उच्च स्तर की आक्रामकता और शारीरिक झगड़े का कारण बनता है। ईआई के निम्न स्तर को कुछ प्रकार की मानसिक बीमारियों से जोड़ा गया है, जिनमें अवसाद, आक्रामकता, सीमावर्ती व्यक्तित्व विकार और भावनात्मक जानकारी को संसाधित करने में कठिनाइयाँ शामिल हैं [12]।

शैक्षणिक सफलता में योगदान के अलावा, उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाला व्यक्ति एक कार्यकर्ता के रूप में बेहतर कार्य करता है, दबाव में काम करने में सक्षम होता है और संगठन की उत्पादकता में योगदान देता है। यह अधिक स्पष्ट होता जा रहा है कि आजकल नियोक्ता केवल अच्छे ग्रेड वाले कर्मचारियों की तलाश में नहीं हैं, बल्कि वे ऐसे आवेदकों में अधिक रुचि रखते हैं जो कामकाजी दुनिया की मांगों को पूरा कर सकते हैं और अपने संगठन की हमेशा बदलती जलवायु और जरूरतों के अनुकूल हो सकते हैं। यह उन व्यवसायों में विशेष रूप से सच है जिनमें कर्मचारियों को भावनात्मक रूप से अत्यधिक बुद्धिमान होने की आवश्यकता होती है।

2. अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

शिक्षा को अच्छे नागरिकों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक साधन के रूप में माना जाता है जो खुद को समझने, अन्वेषण करने, अपनी आंतरिक शक्ति को परखने और उससे आगे बढ़कर समाज के उत्थान के लिए काम करने में सक्षम हों। शिक्षण का पेशा बहुत मांग वाला पेशा है। एक अच्छे शिक्षक को अपने सामने आने वाले बच्चों की शारीरिक, भावनात्मक और बौद्धिक मांगों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। भावनात्मक रूप से बुद्धिमान शिक्षक अपनी परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से संभालने में सक्षम होगा और युवाओं को जुड़ाव और आत्मविश्वास महसूस करने में मदद करेगा। क्रेमेनित्ज़र और मिलर [13] (पृष्ठ 107) में उद्धृत सटन और व्हीटली का तर्क है कि "भावनाएँ एक शिक्षक के काम का एक अभिन्न अंग हैं और शिक्षक की प्रभावशीलता, व्यवहार, अनुभूति और प्रेरणा पर प्रभाव डालती हैं"। नेल्सन, लो और नेल्सन यह भी मानते हैं कि शिक्षक अपने भावनात्मक बुद्धिमत्ता कौशल को विकसित और भुनाकर "दैनिक जीवन और काम के दबावों और मांगों से प्रभावी ढंग से निपट सकते हैं"। इसलिए, शिक्षण में शामिल प्रकृति और मांगों के कारण, शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रासंगिक और प्रभावी बने रहने के लिए उच्च स्तर की भावनात्मक बुद्धिमत्ता हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। इस चर्चा के आधार पर, यह स्पष्ट है कि उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता होने से व्यक्तियों को अतिरिक्त लाभ मिलता है, चाहे वह शैक्षिक कार्य हो या करियर विकास।

बच्चों में गलत भावना उत्पन्न होना और उनके आत्म-सम्मान को नष्ट करना। इससे ऐसे बच्चों का एक समूह तैयार होगा जो भावनात्मक रूप से परेशान हैं। विशेष रूप से किशोर अवस्था के दौरान, यह विनाशकारी और अपराधी व्यवहार को जन्म दे सकता है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि जिन छात्रों को शिक्षण पेशे के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, उन्हें अच्छी भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्व के बारे में पता होना चाहिए।

अध्ययन का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच उनकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता के स्तर और उनकी आक्रामकता के स्तर के बारे में जागरूकता पैदा करना है। इससे उन्हें अपने जीवन में आवश्यक परिवर्तन और समायोजन करने में मदद मिलेगी और उन्हें अपने पेशे के साथ-साथ अपने जीवन में भी सफल होने में मदद मिलेगी।

3. अध्ययन के उद्देश्य

- माध्यमिक स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता के स्तर का पता लगाना।
- माध्यमिक स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच आक्रामकता के स्तर का पता लगाना।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच अंतर का अध्ययन करना।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच आक्रामकता के बीच अंतर का अध्ययन करना।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच संबंधों का अध्ययन करना।

4. अध्ययन की परिकल्पना

वर्तमान अध्ययन ने परीक्षण के लिए तीन शून्य परिकल्पनाएँ तैयार कीं:

1. शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है
2. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
3. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षक प्रशिक्षुओं की आक्रामकता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
4. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

5. कार्यप्रणाली

नमूना: अध्ययन सहसंबद्ध और खोजपूर्ण था, जो 90 शिक्षक प्रशिक्षुओं के नमूने पर किया गया था, जिनमें से 36 शहरी क्षेत्र से और 54 ग्रामीण क्षेत्र से थे। चयन में सुविधाजनक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया गया

नमूने : शिक्षक प्रशिक्षु 21 से 25 वर्ष की आयु सीमा में आते हैं।

उपकरण

1) भावनात्मक बुद्धिमत्ता सूची एस.के. द्वारा। मंगल और शुभ्रा मंगल को कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए उनकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता (कुल और साथ ही अलग से) मापने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

2) आक्रामकता पैमाना डॉ. जी.पी. द्वारा माथुर और डॉ. राजकुमारी भटनागर ।

कार्ल पियर्सन सहसंबंध के उत्पाद क्षण गुणांक और टी परीक्षण को सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए नियोजित किया गया था

चर: अध्ययन के आश्रित चर भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता हैं जबकि स्वतंत्र चर शिक्षक प्रशिक्षुओं का इलाका है।

6. डेटा का विश्लेषण और परिणाम की चर्चा

एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या नीचे दी गई है:

5.1. शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता का स्तर

तालिका 1. शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता के स्तर के अनुसार प्रतिशत वितरण।

समूह	गिनती	प्रतिशत
गरीब	24	26.66
औसत	40	44.44
अच्छा	26	28.88

तालिका 1 से स्पष्ट है कि 44% प्रशिक्षु शिक्षक औसत भावनात्मक बुद्धि वाले हैं। 26% में उच्च ईआई है। वहीं, 24% की ईआई कम है। इससे पता चलता है कि शिक्षक प्रशिक्षुओं की ईआई विकसित करने के तरीके आवश्यक हैं।

शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच आक्रामकता का स्तर

तालिका 2. शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच आक्रामकता के स्तर के अनुसार प्रतिशत वितरण

समूह	गिनती	प्रतिशत
गरीब	6	6.66
औसत	40	44.44
अच्छा	44	48.88

तालिका का विश्लेषण. 2 से पता चलता है कि केवल 6.66% शिक्षक प्रशिक्षुओं में कम आक्रामकता है। 44% में औसत आक्रामकता है और लगभग आधे नमूने में उच्च आक्रामकता है।

माध्यमिक स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच संबंध

तालिका 3. माध्यमिक स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच सहसंबंध- कुल नमूना

Variables	N	Mean	SD	Coefficient of correlation, r
भावात्मक बुद्धि	90	64.44	9.595	0.089
आक्रामकता	90	197.24	25.15	

सहसंबंध के गुणांक का परिकलित मान एक उदासीन या नगण्य संबंध को दर्शाता है

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षक प्रशिक्षुओं के भावनात्मक बुद्धिमत्ता स्तर के बीच अंतर

तालिका 4. ग्रामीण और शहरी शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच अंतर

Variable	Locality	N	Mean	SD	t value	p
भावात्मक बुद्धि	शहरी	36	64.611	9.937	0.835	P > .05
	ग्रामीण	54	64.178	9.315		

प्राप्त t मान .05 स्तर पर महत्वपूर्ण नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षक प्रशिक्षुओं के आक्रामकता स्तर के बीच अंतर

तालिका 5. ग्रामीण और शहरी शिक्षक प्रशिक्षुओं की आक्रामकता के बीच अंतर

Variable	Locality	N	Mean	SD	t value	p
आक्रामकता	शहरी	36	194.94	23.77	0.945	P > .05
	ग्रामीण	54	195.32	28.496		

प्राप्त t मान .05 स्तर पर महत्वपूर्ण नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच संबंध

तालिका 6. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता के बीच सहसंबंध

Variables	Locality	N	Mean	SD	Coefficient of correlation, r
भावात्मक बुद्धि	ग्रामीण	36	64.18	9.31	0.126
	शहरी	54	64.611	9.94	
आक्रामकता	ग्रामीण	36	195.32	28.49	0.093
	शहरी	54	194.94	23.77	

सहसंबंध गुणांक का परिकलित मान ग्रामीण और शहरी छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच एक उदासीन या नगण्य संबंध को दर्शाता है। इसी प्रकार आक्रामकता के लिए भी संबंध नगण्य है।

7. निष्कर्ष और चर्चा

- प्रतिशत विश्लेषण से पता चला कि 44% शिक्षक प्रशिक्षुओं के पास औसत भावनात्मक बुद्धिमत्ता है, 26% के पास उच्च ईआई है, जबकि 24% के पास कम ईआई है। इससे पता चलता है कि शिक्षक प्रशिक्षुओं की ईआई विकसित करने के तरीके आवश्यक हैं।
- केवल 6.66% शिक्षक प्रशिक्षुओं में कम आक्रामकता है। 44% में औसत आक्रामकता है और लगभग आधे नमूने में उच्च आक्रामकता है। यह चिंताजनक स्थिति है. शिक्षक प्रशिक्षुओं में आक्रामक प्रकृति उन परिस्थितियों के कारण हो सकती है जिनमें उनका पालन-पोषण हुआ है। हालाँकि, इसे कम करना होगा, ताकि वे अच्छे शिक्षक बन सकें।
- सहसंबंध के गुणांक का परिकलित मान उदासीन या नगण्य संबंध को दर्शाता है। इसका मतलब है कि शिक्षक प्रशिक्षुओं, भावनात्मक बुद्धिमत्ता के बीच नगण्य संबंध है।
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता के संबंध में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आने वाले शिक्षक प्रशिक्षुओं की तुलना करने पर नगण्य या उदासीन संबंध देखा गया। इसका मतलब यह है कि स्थानीयता शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को प्रभावित नहीं करती है।
- आक्रामकता के संबंध में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए शिक्षक प्रशिक्षुओं की तुलना करने पर नगण्य या उदासीन संबंध देखा गया। इसका मतलब यह है कि शिक्षक प्रशिक्षुओं का आक्रामक व्यवहार स्थानीयता के प्रभाव के कारण नहीं है। यह आक्रामक व्यवहार को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए अध्ययन करने की आवश्यकता की ओर इशारा करता है।

8. शैक्षिक निहितार्थ

1. शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता के स्तर को विकसित करने के लिए प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना होगा
2. भावी शिक्षकों की उच्च आक्रामकता दर को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और आक्रामक प्रवृत्तियों को कम करने के लिए रणनीतियों को नियोजित किया जाना चाहिए।
3. भावनात्मक बुद्धिमत्ता और व्यवहार संबंधी पहलुओं पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।
4. भावनात्मक रूप से बुद्धिमान लोग मिलनसार, लचीले और आशावादी होते हैं। किसी शैक्षिक कार्यक्रम में ऐसे समुदाय का निर्माण पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।
5. शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास किया जाना चाहिए क्योंकि इसका उनके व्यक्तिगत और नौकरी के प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है।
6. शिक्षक प्रशिक्षकों को शिक्षक प्रशिक्षुओं को उनकी भावनाओं को समझने और प्रबंधित करने, खुद को और दूसरों को कैसे प्रेरित करने और टीम वर्क और नेतृत्व गुणों को बेहतर बनाने में मदद करनी चाहिए।
7. शिक्षक प्रशिक्षुओं की भावनात्मक भलाई सुनिश्चित करने के लिए परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

9. निष्कर्ष

निष्कर्षों के आधार पर हम कुछ निष्कर्षों पर पहुँच सकते हैं। लगभग सत्तर प्रतिशत शिक्षक प्रशिक्षुओं के पास भावनात्मक बुद्धिमत्ता का सराहनीय स्तर है। जबकि, शेष 30% को अपने भावनात्मक बुद्धिमत्ता स्तर को बढ़ाने के लिए किसी प्रकार के हस्तक्षेप कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है क्योंकि एक उभरते शिक्षक के लिए पर्याप्त स्तर का आत्म-मूल्यांकन और संबंध प्रबंधन कौशल होना बहुत महत्वपूर्ण है। 50% विद्यार्थियों में आक्रामकता का स्तर औसत से ऊपर है। यह चिंताजनक है. आक्रामकता के स्तर को नियंत्रित करने के लिए कौशल का विकास बहुत आवश्यक है। यह उनके पेशे में दक्षता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए भी आवश्यक है। अध्ययन से पता चलता है कि उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता और कम आक्रामकता के स्तर के बीच अत्यधिक भरोसेमंद संबंध है। इससे शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने की आवश्यकता होती है क्योंकि उन्हें एक महान पेशे के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

संदर्भ सूची

1. शर्मा, एन., और प्रकाश, ए. (2018). माध्यमिक स्कूल के छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता. भारतीय मनोविज्ञान विज्ञान पत्रिका, 9(1), 45-52.
2. सिंह, ए., और सिंह, के. (2017). हाई स्कूल के छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता. अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक मनोविज्ञान पत्रिका, 6(2), 157-171.
3. कुमार, आर., और शर्मा, एन. (2016). किशोरों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता का एक अध्ययन. भारतीय स्वास्थ्य और कल्याण पत्रिका, 7(9), 903-907.
4. चौहान, पी., और कौर, एच. (2019). माध्यमिक स्कूल शिक्षकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता. शिक्षा और प्रैक्टिस पत्रिका, 10(4), 52-58.
5. गुप्ता, एम., और कुमारी, आर. (2018). शिक्षकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता: एक तुलनात्मक अध्ययन. अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक प्रबंधन पत्रिका, 32(6), 955-965.
6. जोशी, आर., और तिवारी, जी. (2015). शिक्षकों और छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता: एक तुलनात्मक अध्ययन. शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पत्रिका, 5(3), 54-60.
7. सिंह, जे., और सिंह, एच. (2016). शिक्षकों और छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता का अध्ययन. सामाजिक विज्ञान पत्रिका, 14(1), 33-38.
8. कुमार, वी., और गुप्ता, एन. (2017). स्कूल छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता: एक तुलनात्मक विश्लेषण. भारतीय मनोविज्ञान अकादमी की पत्रिका, 43(1), 78-86.
9. मेहता, एस., और वर्मा, आर. (2019). माध्यमिक स्कूल छात्रों और शिक्षकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता: एक तुलनात्मक अध्ययन. अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक अध्ययन पत्रिका, 7(2), 45-53.
10. रानी, पी., और शर्मा, आर. (2018). किशोर छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता का अध्ययन. भारतीय अनुप्रयुक्त अनुसंधान पत्रिका, 8(1), 65-67.
11. चौधरी, एस., और सिंह, ए. (2016). स्कूल छात्रों और शिक्षकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता. मनोसामाजिक अनुसंधान पत्रिका, 11(1), 123-130.
12. जैन, ए., और शर्मा, पी. (2017). माध्यमिक स्कूल छात्रों और शिक्षकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता का अध्ययन. भारतीय मनोचिकित्सा पत्रिका, 39(4), 426-431.
13. शर्मा, एस., और शर्मा, एम. (2019). माध्यमिक स्कूल छात्रों और शिक्षकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आक्रामकता: एक सहसंबंधी अध्ययन. व्यवहारिक विज्ञान पत्रिका, 29(1), 63-70.